pan>

Title: Need to provide financial aid to poor students.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के प्रतिष्ठित अखबार दैनिक जागरण में 17 दिसंबर को एक खबर छपी कि ग्वालियर का अजय नाम का एक लड़का, स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित रामजस कॉलेज में दाखिला लेने के बाद भी उसे खाने के लिए रिक्शा चला कर अपना पेट भरना पड़ता है। आज खबर आई कि गुड़गांव के डीसी कार्यालय में मेहर सिंह गांधी ने उसके खर्चे को उठाने की पहल की है। यह खबर इतनी संवेदनशील है कि ऐसे गरीब व निराश्रित छात्र, जो सामान्य वर्ग से आते हैं, उनकी पढ़ाई का, उनको आगे बढ़ने के अवसर नहीं हैं और शासन भी उस जगह पर उनको कोई अवसर उपलब्ध नहीं कराता है। मेरे कहने का अभिप्राय है कि दलित व पिछड़े वर्ग के छात्रों को सुविधाएं मिलें, मैं उसका समर्थक हूँ, लेकिन मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि ऐसे प्रतिभावान गरीब सामान्य वर्ग के निराश्रित छात्रों को, जिनके माता-पिता उनको कोई अवसर नहीं दे सकते हैं, उसकी प्रतिभा के आधार पर आंकलन कर के छात्रों को कोई अवसर उपलब्ध कराए जाएं, सरकार उसकी व्यवस्था करे, उसको संरक्षण दे, जिससे ये छात्र अपनी प्रतिभा से इस देश और समाज की सेवा कर सकें।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Gajanan Kirtikar,

Shri Rahul Shewale,

Shri Shrirang Appa Barne and

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Dr. Mahendra Nath Pandey.